1986, as modified in 1992, states that autonomous colleges will be helped to develop in large numbers until the affiliating system is replaced by a freer and more creative association of Universities with colleges.

(b) According to the information furnished by the UGC, the following procedure has been laid down in the UGC guidelines for conferment of autonomous status on a College:—

(i) A Standing Committee consisting of representatives of the UGC and the State Government is to be constituted by each University for ensuring effective implementation of the Scheme of Autonomous Colleges.

(ii) Proposals in the prescribed proforma are invited from the Colleges by the concerned University for consideration by the Standing Committee. The Committee may visit the Colleges to discuss the proposals with the Management and/or faculty members.

(iii) The recommendations of the Standing Committee after approval of the Vice-Chancellor, are to be forwarded to the UGC and the State Government. The recommendations of the University and the State Government are also to be furnished to the UGC. After the UGC and the State Government have concurred in the proposal, a notification regarding conferment of autonomous status on College is issued by the University.

(c) Autonomous status is conferred on a college by the concerned University in consultation with the State Government and the UGC. At present, 109 Colleges are functioning as autonomous colleges.

Opening Cental School in Vasant Vihar, New Delhi

4958. SHRI RAJ NATH SINGH:
SHRIMATI MALTI SHARMA:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) what is the criteria for opening central schools in the country;

(b) whether the criteria has any relation with the population of Central Government employees in a particular locality; and

(c) if so, whether Government propose to consider opening a Central School in Central Government Housing Complex, Vasant Vihar, New Delhi where more than 100 families of Central Government servants are residing?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF EDUCATION AND DEPARTMENT OF CULTURE) (KM. SELJA): (a) and (b) Within the resources available to it and within the number of schools authorised by the Government to be opened annually, Kendriya Vidyalayas are opened in Civil Defence Sector generally where there is a concentration of at least 100 transferable Central Government employees and the sponsoring organsations agree to provide temporary accommodation: sufficient/suitable land free of cost for construction of permanent school building and other facilities, as per norms prescribed by Kendriya Vidyalaya Sangathan.

Kendriya Vidyalayas are also opened in project sector wherever sponsoring project authorities agree to meet the recurring and non-recurring expenditure on the Vidyalaya and the proposal conforms to the norms prescribed by Kendriya Vidyalaya Sangathan.

(c) The Kendriya Vidyalayas Sangathan has requested the Delhi Development Authority, for allotment of suitable plots for opening of more Kendriya Vidyalayas in Delhi.

खेल-कूद विद्यालयों की स्थापना किया जाना

4939. **श्री अजीत जोगी :**

श्री एस.एस. सुरजेवाला :

क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रतिभाशाली बालक-बालिकाओं को प्रोत्साहित करने और उनकी खेल-कूद प्रतिभा को विकसित करने के लिए स्थापित किए गए खेल-कूद विद्यालयों का ब्यौरा क्या है;

(ख) इस संबंध में अब तक क्या परिणाम निकले हैं;

(ग) पिछले दो वर्षों के दौरान इन विद्यालयों से कितने छात्रों को खेल-कूद की उच्च शिक्षा और खेल-कूद के प्रशिक्षण के लिए चुना गया है; और

(घ) भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन को सुधारने और आगामी ओलम्पिक खेलों में स्वर्ण और अन्य पदकों को जीतना सुनिश्चित करने के लिए इस समय क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (युवा कार्यक्रम और खेल विभाग) में राज्य मंत्री (श्री मुकुल वासनिक) : (क) भारतीय खेल प्राधिकरण ने अपनी राष्ट्रीय खेल प्रतिभा प्रतियोगिता योजना के अंतर्गत 59 स्कूलों को अपनाया हैं। ऐसे अपनाए गए स्कूलों के ब्योरे विवरण में दिए गए हैं। (नीचे देखिए)

(ख) टीम खेलों के अंतर्गत जैसे हॉकी और फुटबाल राष्ट्रीय खेल प्रतिभा प्रतिस्पर्धा योजना के बच्चे जवाहरलाल नेहरू जूनियर हाकी टूर्नामेंट और फुटबाल के लिए सुब्रोतो कप जैसे विख्यात टूर्नामेंटों में छाए रहे ।

टेबल टेनिस, जिम्नास्टिक, एथलेटिक, तैराकी जैसे खेलों मे बड़ी संख्या में इन खेल स्कूलों से प्रशिक्षित बच्चों ने जूनियर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कीर्तिमान स्थापित किए है। पिछले 4–5 वर्षों के दौरान बच्चों ने उप जूनियर तथा जूनियर स्तर पर सैकड़ों पदक जीते। विभिन्न राष्ट्रीय चैम्पियनशिपों तथा विभिन्न जूनियर अंतरराष्ट्रीय चेम्पियनशिपो में चालीस से अधिक पदक जीते है । इन विद्यालयों मे बड़ी संख्या मे पहलवानो ने भी विश्व कैडेट क्लास चैम्पियनशिप में पदक जीते ।

(ग) राष्ट्रीय खेल प्रतिभा प्रतियोगिता योजना केवल विद्यालय स्तर तक ही प्रचलित है । फिर भी, कुछ प्रशिक्षार्थी भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा चलाए जा रहे खेल छात्रावास में प्रवेश लेकर अथवा राष्ट्रीय टीम का सदस्य बनकर लाभ उठाते है ।

(घ) आगामी ओलम्पिक खेलो में प्रदर्शन सुधारने के लिए खेल विधाओं के चयन तथा हमारी टीमो व खिलाड़ियों के योग्यता स्तरो को अंतिम रूप देने के लिए एक समिति का गठन किया गया है । राष्ट्रीय खेल परिसंघों को विकास योजनाओं को तैयार करने के लिए कहा गया है जिनको भारत सरकार वित्तीय सहायता दे रही है । कोचिंग स्तर को बढाने, अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन उपलब्ध कराने तथा संभाव्य को प्रशिक्षण देने और वैज्ञानिक सहायता देने पर जोर दिया जा रहा है।